Joyjeet Bose Delivers Keynote on MSME Digitization at IIM Raipur

Joyjeet Bose, the head of SME Operations at Tata Teleservices, delivered an insightful talk on "Navigating Digitization for MSMEs: Present and Future" at IIM Raipur. The event, coordinated by the Prof. Dhananjay Bapat, Chairperson of EMBA and Students Corporate Outreach Team, was held at the IIM Raipur Auditorium, Madai, and witnessed enthusiastic participation from the Executive Post Graduate Programme (EPGP) students.

The event began with a warm welcome from Prof. Archana Parashar. With over two decades of experience in Enterprise and SME business, Joyjeet Bose has been a cornerstone in establishing the Tata Teleservices - Enterprise Business in India. He has spearheaded various functions, including Sales Strategy, Business Enablement & Solutions, and Service Delivery. His previous roles at Hexacom India Ltd (Oasis Cellular), Bharti BT Internet Ltd, and Worldwide Technologies Ltd have been instrumental in driving business growth. In his address, Bose explored the evolution of Micro, Small, and Medium Enterprises (MSMEs) and the different models of digitization practices shaping their future. He emphasized the necessity for MSMEs to become digitally agile, enhancing customer experience across the value chain. Highlighting Tata Teleservices' contributions, Bose detailed the company's evolution, product offerings, and organizational structure. Tata Teleservices, a leading provider of telecommunications and digital solutions, has played a crucial role in fostering digital transformation among MSMEs. Bose underscored the importance of strategic partnerships in promoting digital adoption and shared compelling case examples of MSMEs that have successfully embarked on their digital journeys with Tata Teleservices' support. Looking to the future, Bose projected a landscape where MSMEs are not only fully digitized but also leveraging advanced technologies to remain competitive and resilient. He reaffirmed Tata Teleservices' commitment to supporting MSMEs through continuous innovation and dedicated partnerships.

Outside his professional achievements, Joyjeet Bose is known for his passion for sports, being an avid marathoner and an occasional cricket and football player. An alumnus of the TATA Group Executive Leadership Program, Bose remains dedicated to driving societal change through tech, innovation, and philanthropy. Following Bose's address, Prof. Dhananjay Bapat, Chairperson of EMBA, delivered the vote of thanks and felicitated the guest, marking the conclusion of an enlightening session. For more information, please contact: Media Committee, EPGP B4

About IIM Raipur:

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2023, IIM Raipur proudly achieved

significant rankings, including 11th in the MHRD-NIRF Business Ranking, securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.

जॉयजीत बोस ने भा.प्र.सं.रायपुर में एमएसएमई डिजिटलीकरण पर मुख्य भाषण दिया

टाटा टेलीसेर्विसेज के एसएमई संचालन प्रमुख जॉयजीत बोस ने भा.प्र.सं. रायपुर में "एमएसएमई के लिए डिजिटलीकरण का मार्गदर्शन: वर्तमान और भविष्य" पर एक अंतर्दृष्टिपूर्ण भाषण दिया। यह कार्यक्रम प्रो. धनंजय बापट, ईएमबीए और छात्रों के कॉर्पोरेट आउटरीच टीम के अध्यक्ष, द्वारा समन्वित किया गया था, और भा.प्र.सं. रायपुर ऑडिटोरियम, मडाई में आयोजित किया गया, जिसमें कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपी) के छात्रों ने उत्साही भागीदारी की।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. अर्चना पाराशर के गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ हुई। दो दशकों से अधिक के एंटरप्राइज और एसएमई व्यवसाय के अनुभव के साथ, जॉयजीत बोस ने भारत में टाटा टेलीसेर्विसेज - एंटरप्राइज बिजनेस को स्थापित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। उन्होंने बिक्री रणनीति, व्यवसाय सक्षमता और समाधान, और सेवा वितरण सहित विभिन्न कार्यों का नेतृत्व किया है। हेक्सकॉम इंडिया लिमिटेड (ओएसिस सेल्युलर), भारती बीटी इंटरनेट लिमिटेड, और वर्ल्डवाइड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड में उनके पिछले कार्यभार ने व्यवसायिक वृद्धि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने संबोधन में, बोस ने सूक्ष्म, लघु एवम मध्यम उद्योग (एमएसएमई) के विकास और उनके भविष्य को आकार देने वाले विभिन्न डिजिटलीकरण मॉडल का अन्वेषण किया। उन्होंने एमएसएमई के लिए डिजिटल रूप से सक्षम बनने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे मूल्य श्रृंखला में ग्राहक अनुभव को बढ़ावा मिल सके। टाटा टेलीसेर्विसेज के योगदानों को उजागर करते हुए, बोस ने कंपनी के विकास, उत्पाद पेशकशों, और संगठनात्मक संरचना का विवरण दिया। टाटा टेलीसेर्विसेज, दूरसंचार और डिजिटल समाधानों के प्रमुख प्रदाता, ने एमएसएमई के बीच डिजिटल परिवर्तन को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बोस ने डिजिटल अपनाने को बढ़ावा देने में रणनीतिक साझेदारी के महत्व को रेखांकित किया और टाटा टेलीसेर्विसेज के समर्थन से अपनी डिजिटल यात्रा पर सफलतापूर्वक आगे बढ़े तथा एमएसएमई के प्रेरक मामले साझा किए। भविष्य की ओर देखते हुए, बोस ने एक ऐसे परिदृश्य की भविष्यवाणी की जहां एमएसएमई न केवल पूरी तरह से डिजिटलीकृत होंगे बल्कि प्रतिस्पर्धी और लचीला बने रहने के लिए उन्नत तकनीकों का लाभ उठाएंगे। उन्होंने निरंतर नवाचार और समर्पित साझेदारी के माध्यम से एमएसएमई का समर्थन करने के लिए टाटा टेलीसेर्विसेज की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

अपने पेशेवर उपलब्धियों के अलावा, जॉयजीत बोस खेलों के प्रति अपने जुनून के लिए जाने जाते हैं, वह एक उत्साही मैराथन धावक हैं और कभी-कभी क्रिकेट और फुटबॉल भी खेलते हैं। टाटा ग्रुप एग्जीक्यूटिव लीडरशिप प्रोग्राम के पूर्व छात्र, बोस तकनीक, नवाचार और परोपकार के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए समर्पित रहते हैं। बोस के संबोधन के बाद, ईएमबीए के अध्यक्ष प्रो. धनंजय बापट ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और अतिथि का सम्मान किया, जिससे एक प्रबुद्ध सत्र का समापन हुआ। अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें: मीडिया समिति, ईपीजीपी बी4।

भा. प्र. सं. रायपुर के बारे में:

2010 में स्थापित, भा. प्र. सं. रायपुर एक ऐसा केंद्र है जो गतिशील नेताओं को पोषित करने के लिए है, जो उन्हें व्यापार के अपने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए जरूरी ज्ञान, अनुभव, और अनमोल संपर्क प्रदान करता है। हमारे संस्थान को व्यापार डोमेन के विभिन्न क्षेत्रों में 50 से अधिक प्रतिष्ठित शिक्षाविदों से ताकत प्राप्त है और देश के 700 से अधिक उत्कृष्ट दिमागों से लाभ होता है। 2023 में, भा. प्र. सं. रायपुर ने माननीय मानव संसाधन और विकास मंत्रालय-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रैंकिंग फ्रेमवर्क्स (एमएचआरडी-एनआईआरएफ) बिजनेस रैंकिंग में 11वें स्थान, सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में पहले स्थान, और आउटलुक-आईकेएआरई सूची में 8वें स्थान हासिल किया। हम राष्ट्र में सबसे तेजी से बढ़ रहे भा. प्र. सं. में से एक हैं। छत्तीसगढ़ के जीवंत हृदय, नया रायपुर में स्थित हमारा नया, आधुनिक कैंपस आधुनिक वास्तुकला को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और विरासत के साथ मिलाकर एक अद्वितीय और प्रेरणादायक शिक्षा वातावरण बनाता है।